

प्रेषक,

राधा रतूड़ी,

सचिव

उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

1. समस्त जिलाधिकारी,  
उत्तराखण्ड।

2. समस्त वरिष्ठ पुलिस  
अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक,  
उत्तराखण्ड।

समाज (सैनिक) कल्याण अनुभाग-3

देहरादून

दिनांक ८ मई, 2010

**विषय:- शहीद सैनिकों का अन्तिम संस्कार सम्मान पूर्वक किये के सम्बन्ध में।**

महोदय,

अवगत कराना है कि सशस्त्र सेनाओं में कार्यरत सैनिक देश की सीमाओं एवं आन्तरिक सुरक्षा के दौरान होने वाली झड़पों में वीरगति को प्राप्त होते हैं। इसी प्रकार शान्तिकाल में भी सेना द्वारा आयोजित युद्ध अभ्यासों के दौरान अथवा सैनिकों के दुर्गम स्थानों पर तैनाती के समय होने वाली दुर्घटनाओं के कारण भी शहीद होते रहते हैं।

सैनिकों के शहीद होने पर सेना द्वारा उनका पार्थिव शरीर अन्तिम संस्कार हेतु उनके गृह जनपद में लाया जाता है। सामान्य रूप से पार्थिव शरीर को वायुयान द्वारा निकटतम हवाई अड्डे तक लाया जाता है, जहाँ से उसे सी0एच0टी0 (सिविल हायर्ड ट्रांसपोर्ट) में रखकर सड़क मार्ग से सम्बन्धित जनपद में ले जाया जाता है।

अतः यह उचित होगा कि ऐसे शहीद सैनिक के प्रति राज्य सरकार एवं नागरिक प्रशासन की ओर से भी समुचित सम्मान प्रदर्शित किया जाए। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिये अलग-अलग परिस्थितियों के अनुसार निम्न प्रक्रिया सुझावित है:-

(क) **शहीद सैनिक का सम्मानजनक अन्तिम संस्कार:-**

(i) पार्थिव शरीर के आगमन की सूचना सेना के अधिकारियों द्वारा उस जनपद, जहाँ हवाई अड्डा स्थित है तथा शहीद सैनिक के गृह जनपद, के जिलाधिकारियों को दी जाती है। सम्बन्धित जिलाधिकारी अपने जनपद के अन्य सम्बन्धित अधिकारियों तथा निश्चित तौर पर जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी को उक्त सूचना देंगे।

(ii) सामान्य रूप से हवाई अड्डे पर सेना की टुकड़ी द्वारा सैनिक के सम्मान में गार्ड आफ ऑनर दिया जाता है। इस जनपद के जिलाधिकारी/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से) तथा जिला सैनिक कल्याण अधिकारी इस अवसर पर हवाई अड्डे पर पहुँच कर राज्य सरकार की ओर से शहीद सैनिक के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए पार्थिव शरीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

(iii) हवाई अड्डे से शहीद के पार्थिव शरीर को सेना द्वारा अपने साधनों से उसके गृह जनपद में उनके निवास स्थान तक ले जाया जाता है। सम्बन्धित गृह जनपद के जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से)



तथा जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी शहीद सैनिक के निवास पर पहुँच कर उसके परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करेंगे तथा पार्थिव शरीर पर पुष्पक चक्र अर्पित करेंगे। उक्त अधिकारी शहीद सैनिक के अन्तिम संस्कार के समय भी उपस्थित रहेंगे।

(ख) सामान्य परिस्थितियों में मृत सेवारत सैनिकों का सम्मानजनक अन्तिम संस्कार:- शान्तिकालीन समय में सैनिकों का अन्य कारणों से मृत्यु हो जाने पर भी सेना द्वारा उनके पार्थिव शरीर को उनके गृह जनपद में उनके निवास स्थान पर लाया जाता है एवं उनके अन्तिम संस्कार के लिये भी सेना की टुकड़ी द्वारा गार्ड आफ ऑनर दिये जाने का प्रावधान है। उनके सम्मान जनक अन्तिम संस्कार के लिये निम्न प्रक्रिया अपनायी जाये :-

(i) पार्थिव शरीर के आगमन की सूचना स्थानीय सेना मुख्यालय द्वारा उस जनपद के जिलाधिकारी व जिला सैनिक कल्याण अधिकारी को दी जायेगी।

(ii) सम्बन्धित गृह जनपद के जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से) तथा जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारी शहीद सैनिक के निवास पर पहुँच कर उसके परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त करेंगे तथा पार्थिव शरीर पर पुष्पक चक्र अर्पित करेंगे। उक्त अधिकारी शहीद सैनिक के अन्तिम संस्कार के समय भी उपस्थित रहेंगे।

(ग) निदेशक, सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास शहीद सैनिक की सूचना मिलने पर माननीय मुख्य मंत्री द्वारा एक संवेदना सन्देश शहीद सैनिक के आश्रित को प्रेषित किये जाने हेतु संवेदना प्रारूप मुख्यमंत्री सचिवालय में जल्दी से जल्दी भिजवाने हेतु कार्यवाही करना सुनिश्चित करेंगे।

भवदीया,

(राधा रतूड़ी)

सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:- 143 (1)/XVII-3/2010-09(94)/2008(TC) तददिनांक।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. निजी सचिव, मा0 सैनिक कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. सहिव, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
5. पुर्नवास महानिदेशाल, भारत सरकार, नई दिल्ली।
6. जनरल आफीसर कमांडिंग-इन-चीफ, मध्य कमान, लखनऊ।
7. मुख्यालय, उत्तराखण्ड सब एरिया, देहरादून कैंन्ट, देहरादून।
8. निदेशक, सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास उत्तराखण्ड को तथा समस्त जिला सैनिक कल्याण एवं पुर्नवास अधिकारियों से उक्त निर्देशों का सम्यक् अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु।

आज्ञा से,

(राधा रतूड़ी)

सचिव।